करने के संबंध में क्या कोई योजना सरकार के विचाराधीन है ;

(ख) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है ; और

(ग) इस संबंध में अब तक क्या कार्यवाही की गई है ?

COMMUNICATION ARRANGEMENTS IN I BORDER AREAS ETC.

. 1734. SHRI N. K. SHEJWALKAR: j SHRI J. P. YADAV: SHRl MAN SINGH VARMA: SHRI SUNDAR SINGH BHANDARI: SHRI PITAMBER DAS:

Will the Minister of INFORMATION I AND BROADCASTING AND COM- I MUNICATIONS be pleased to state:

(a) whether there is any scheme under Government's consideration for j having proper communication arrangements in the backward areas, border areas and different islands;

(b) if so, the details thereof; and

(c) what action has been taken so far in this regard?]

सूचना तथा प्रसारण मंत्रालय और संचार विभाग में राज्य मंत्री (प्रो० शेर सिंह): (क) से (ग) एक विवरण-पत्र सभा पटल पर रखा जाता है। [देखिए परिशिष्ट LXVII, अनुपत्र संख्या 129।]

t[THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING AND IN THE DEPARTMENT OF COMMUNICATIONS (PROF. SHER SINGH): (a) to (c) A statement is laid on the Table of the Rajya Sabha. (See Appendix LXVII, Annexure No. 129.)]

उर्वरक कारखानों की क्षमता

1735. श्री रतन लाल जैन :
श्री पीताम्बर दास :
डा० भाई महावीर :
श्री सुन्दर सिंह भंडारी :
श्री मानसिंह वर्मा :
श्री जगदम्बी प्रसाद यादव :
श्री प्रेम मनोहर :

क्या खाद्य तथा कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) देश के समस्त उर्वरक कारखानों की कुल स्थापित क्षमता कितनी है और उनका वास्तविक उत्पादन कितना है ;

(ख) यदि उत्पादन अपेक्षित मात्रा में नहीं होता तो उसके क्या कारण हैं ;

(ग) इस संबंध में क्या कार्यवाही की गई है; और

(घ) यदि अधिकतम उत्पादन-क्षमता का उपयोग किया जाए तो उर्वरक के मूल्य में प्रति 100 टन कितनी कमी हो जायेगी ?

CAPACITY or FERTILIZER FACTORIES

1735. SHRI RATTAN LAL JAIN: SHRI PITAMBER DAS: DR. BHAI MAHAVIR: SHRI SUNDAR SINGH BHANDARI: SHRI MAN SINGH VARMA: SHRI J. P. YADAV: SHRI PREM MANOHAR:

Will the Minister of FOOD AND AGRICULTURE be pleased to state:

(a) the total installed capacity of all the fertilizer factories in the country and the actual production thereof;

(b) if the production is not up to the mark, what are tne reasons therefor:

■j- [ ] English translation.

(c) what steps have been taken in this regard; and

(d) if the maximum production capacity is utilized, to what extent the prices of fertilizers would drop for every 100 tons?]

खाद्य, कृषि, सामुदायिक विकास और सहकारिता मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अण्णासाहेब शिन्दे) : (क) देश के समस्त उर्वरक कारखानों की कुल स्थापित क्षमता और उनका वास्तविक उत्पादन निम्न प्रकार है :—

क्षमता—

नाईट्रोजनपूरक उर्वरक—1.024 लाख मीट्रिक टन नाइट्रोजन

फास्फेटिक उर्वरक—4.21 लाख मीट्रिक टन पी$_2$ ओ$_5$

उत्पादन (अप्रैल '68—फरवरी '69)—

नाईट्रोजनपूरक उर्वरक—4.92 लाख मीट्रिक टन

फास्फेटिक उर्वरक—1.05 लाख मीट्रिक टन पी$_2$ ओ$_5$

(ख) 10.24 लाख मीट्रिक टन में से लगभग 2.60 लाख मीट्रिक टन केवल प्रचालन के अन्तिम कुछ महीनों में प्राप्त हुआ है और इन संयंत्रों को अभी व्यापारिक उत्पादन स्तर को प्राप्त करना है। उत्पादन में कमी कई कारणों से है और ये कारण प्रत्येक संयंत्र के लिए अलग-अलग हैं। कच्ची सामग्री (जिप्सम, कोक-सल्फर) की कमी, संयंत्र के खराब हो जाने, संभरणकर्त्ताओं द्वारा दोषपूर्ण नमूने बनाने, बिजली बन्द होने के अतिरिक्त बिजली की सप्लाई में अस्थिरता आदि उत्पादन की कमी के कुछ कारण हैं।

(ग) प्रत्येक मामले में कमी के कारणों का पता लगाया गया और उन्हें ठीक करने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं।

(घ) यह आंकना संभव नहीं है कि अधिकतम क्षमता का उपयोग करने से उर्वरकों के मूल्यों में ठीक-ठीक कितनी समुचित राशि की कमी होगी।

†[THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FOOD, AGRICULTURE, COMMUNITY DEVELOPMENT AND COOPERATION (SHRI ANNASAHEB SHINDE): (a) The total installed capacity of all the fertilizer factories in the country and the actual production thereof is as under: —

Capacity—

Nitrogenous fertilisers— **1.**024 million tonnes Nitrogen.

Phosphatic fertilisers— 0.421 million tonnes $P_2 0_5$

Production (April '68—Feb. '69) —

Nitrogenous fertilisers— 0.492 million tonnes nitrogen.

Phosphatic fertilisers— 0.105 million tonnes $P_2 0_5$

(b) Out of 1.024 million tonnes, nearly 0.260 million tonnes came in to operation only in the last **few** months and these plants are yet to reach commercial production. Shortage of production is due to a number of factors and the reasons vary from plant to plant. Shortage of raw materials (gypsum, coke sulphur), break-down of plant, defective designs by suppliers unsteady power supply in addition to power cuts are some of the reasons for shortfall in production.

(c) In every case, the reasons for shortfall have been identified and corrective steps are being taken,

(d) It is not possible to assess with any reasonable amount of accuracy the reduction in the price of fertili' sers when the maximum capacity ii utilised.]

RICE CROPS PROSPECTS DURING RABI SEASON

1736. SARDAR RAM SINGH: Will the Minister of FOOD AND AGRICULTURE be pleased to state:

(a) what are the prospects of rice crops during the Rabi season;

†[ ] English translation.